विवरणिका सत्र 2021–22

राजकीय कन्या महाविद्यालय, उन्हाणी (महेन्द्रगढ़)

प्राचार्य संदेश

एक विकसित राष्ट्र की परिकल्पना स्त्री शिक्षा के बिना अधूरी है। सुशिक्षित एवं सुसंस्कृत नारियाँ ही देश को उन्नति के पथ पर आरूढ़ करने में अपना अप्रतिम योगदान देती हैं। यह सर्वविदित तथ्य है कि युवा देश और समाज की आधारशिला तथा भविष्य के नियन्ता है। युवा वर्ग शारीरिक व मानसिक रूप से जितना मजबूत होगा, देश का विकासरूपी रथ उतनी ही तीव्रतम गति से अग्रसर होगा। शिक्षा न केवल ज्ञानार्जन की कला, अपितु सीखने की भी कला है तथा उनके व्यक्तिगत कौशलों का विकास है।

वर्तमान युग में तीव्र गति से बदलते परिदृश्य एवं चुनौतियों के मध्य इस महाविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रणाली से शैक्षणिक परिवेश के निर्माण में प्रशंसनीय भूमिका का निर्वहन किया है। उच्चस्तरीय शैक्षणिक एवं सह शैक्षणिक गतिविधियों के फलस्वरूप इस महाविद्यालय ने उच्चतर शिक्षा विभाग के **'प्रयास फ्रेमवर्क'** कार्यक्रम के अन्तर्गत **'ए'** ग्रेड से प्रत्यायित होकर सम्पूर्ण प्रदेश में 16वां गौरवपूर्ण स्थान पाया है। यह होनहार एवं प्रतिभाशाली विद्यार्थियों, शैक्षणिक अभिरूचि सम्पन्न प्राध्यापकों तथा कर्मनिष्ठ कर्मचारियों का प्रतिफल है।

शिक्षकों के समर्पित एवं सहयोगी समूह के साथ उत्कृष्ट मूलभूत सेवाओं को प्रदान करते हुए यह महाविद्यालय छात्राओं को सर्वोतम शैक्षणिक वातावरण प्रदान करता है। शिक्षण की प्रक्रिया में अधिगम की क्षमता को बढ़ाने के लिए यह उत्प्रेरक आवेग प्रदान करता है। मुझे विश्वास है कि हमारी छात्राएं भविष्य में आगे चलकर प्रबुद्ध देशभक्त एवं विविध कौशलों से परिपूर्ण सभ्य नागरिक होगीं, जो देश के विकास में अपना सक्रिय योगदान देकर भारतवर्ष को उन्नति के पथ की ओर अग्रसर करेंगी।

डॉ0 विक्रम यादव
राजकीय कन्या महाविद्यालय, उन्हाणी

राजकीय कन्या महाविद्यालय विहंगमावलोकन

स्थापना

राजकीय कन्या महाविद्यालय की स्थापना का प्रस्ताव हरियाणा विधानसभा द्वारा 2018 में सर्वसम्मति से पारित किया गया। महाविद्यालय का उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा 4 मार्च 2019 को डिप्टी स्पीकर हरियाणा विधानसभा श्रीमती संतोष यादव की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ।

शैक्षणिक परिचय

सृजनशील समाज की जड़ें सशक्त शैक्षिक प्रणाली में निहित है, क्योंकि शिक्षा ही सामाजिक परिवर्तन की प्रबल वाहिका है। यहाँ छात्राओं को कला, वाणिज्य एवं विज्ञान संकायों में स्नातक स्तर की सशक्त गुणवता पूर्ण प्रणाली से शिक्षा उपलब्ध है।

महाविद्यालय परिसर की अवसंरचनात्मक विशेषताएं

▪ भवन

महाविद्यालय की विशाल ईमारत प्राकृतिक सौन्दर्य से परिपूर्ण स्वच्छ वातावरण में उन्हाणी गाँव की 8 एकड़ भूमि में स्थित है। इसका विशाल प्रांगण अनेक प्रकार के वृक्षों से सुशोभित तथा बगीचा अनेक प्रकार के पुष्पों से सुंगन्धित है।

▪ सी.सी.टी.वी. युक्त परिसर

असामाजिक तत्वों के निषेधार्थ तथा छात्राओं के सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से महाविद्यालय में सभी स्थानों वाई–फाई से युक्त सी. सी. टी. वी. कैमरे लगाए गए हैं।

▪ वातानुकूलित सुविधाएं

महाविद्यालय का भव्य सभागार पूरी तरह से वातानुकूलित है जिसमें महाविद्यालय की सभी छात्राओं के बैठने की सुविधा है। इसमें नवीन तकनीकों से सुसज्जित ऑडियो– विजुअल (दृश्य–श्रव्य) व्यवस्था तथा बहु कार्यात्मक लाईटिंग की व्यवस्था है। जिसमें महाविद्यालय के अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा व्याख्यान और कॉलेज का वार्षिक कार्यक्रम भी इसी में आयोजित किया जाता है। स्मार्ट क्लासरूम, पुस्तकालय तथा वाचनालय वातानुकूलित सुविधा से युक्त है।

■ भाषा प्रयोगशाला

महाविद्यालय की छात्राओं को विभिन्न भाषाओं में दक्षता हासिल करने के लिए ऑडियो–विजुअल वातानुकूलित भाषा प्रयोगशाला है। जिसके माध्यम से शिक्षार्थी अध्यता भाषा के अध्ययन के लिए विविध प्रकार के अभ्यास करते हुए भाषा को सीखते हैं।

■ व्याख्यान थियेटर

महाविद्यालय में 3 वातानूकुलित व्याख्यान थियेटर हैं, जहाँ पर डिजिटल माध्यमों के प्रयोग से विद्यार्थियों को शिक्षण–अधिगम से संबंधित अनेक प्रकार की महत्त्वपूर्ण सूचनाओं से अवगत कराया जाता है। शिक्षा के क्षेत्र में इस प्रकार की नवीनतम सुविधा देने के लिए यह महाविद्यालय अग्रणी है।

■ कैन्टीन (जल पान गृह)

छात्राओं की शारीरिक व मानसिक थकान मिटाने तथा उन्हें उचित मूल्यों पर खाद्य पदार्थों को उपलब्ध करवाने के लिए कैन्टीन की व्यवस्था है। जिसमें छात्राएं को स्वास्थयवर्धक खाद्य व पेय पदार्थों को निम्नतम दरों में उपलब्ध कराया जाता है। महाविद्यालय के सदस्यों द्वारा कैन्टीन की सफाई व स्वच्छता का प्रतिदिन निरीक्षण किया जाता है।

■ परिवहन सुविधा

महाविद्यालय छात्राओं के सुगमतापूर्वक आवागमन के लिए परिवहन सुरक्षा योजना के अर्न्तगत यातायात की सुविधा प्रदान करता है। महाविद्यालय के लिए निर्धारित बस अनेक स्थानों से छात्राओं के लिए आवागमन के लिए निशुल्क सुविधा प्रदान करती है।

■ विद्युत सुविधाएं

ग्रामीण क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की अनियमितता के समाधानार्थ महाविद्यालय में विशाल सोलर सिस्टम तथा जैनरेटरों की सुविधा है। जिससे मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों में भी छात्राएं सुगमता पूर्वक अध्ययनरत हो सके।

■ स्मार्ट कक्षा–कक्ष

अध्ययन–अध्यापन की गुणवता में वृद्धि के लिए महाविद्यालय में वातानुकूलित स्मार्ट अध्ययन कक्षों का निमार्ण किया गया है जिसमें सभी संकायों की छात्राएं आधुनिक तकनीकी से युक्त शिक्षा को ग्रहण करती है।

■ प्रयोगशाला

महाविद्यालय में रासायन शास्त्र, भौतिकी विज्ञान और भूगोल विभाग की प्रयोगशालाएं पूर्णतः व्यवस्थित हैं, जिनमें छात्राओं के अभ्यास के लिए पर्याप्त उपकरण, स्थान एवं सुविधाएं हैं।

एजुसेट प्रणाली

वर्तमान युग में अत्याधुनिक तकनीकी से छात्राओं को एजुसेट प्रणाली के माध्यम से भी शिक्षा प्रदान की जाती है, जिसमें छात्राएं वर्ष भर अनेक ऑनलाइन व्याख्यान सुनकर अपना ज्ञानवर्धन करती हैं।

■ भिति पत्रिकाएं

महाविद्यालय के सभी विभागों में अनेक स्थलों पर भिति पत्रिकाएं हैं। इन पत्रिकाओं के माध्यम से उन्हें महाविद्यालय की महत्वपूर्ण गतिविधियों से भी अवगत कराया जाता है। यह पत्रिका छात्राओं को सृजनात्मक अभिव्यक्तियों के लिए अवसर प्रदान कर उनके मनोबल को बढ़ावा देती है।

■ सेनिटरी नैपकिन वेंडिग मशीन

छात्राओं के हाईजिन संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं के समाधानार्थ महाविद्यालय में सेनिटरी नैपकिन वेंडिग मशीन लगाई गई है, जिसके द्वारा उन्हें सस्ती दरों पर नैपकिन की सुविधा मुहैया कराई जाती है।

■ पासपोर्ट सुविधा

महाविद्यालय की प्रत्येक छात्रा को देश विदेश में उच्च शिक्षा के लिए पासपोर्ट की सुविधा प्रदान की जाती है।

■ ड्राईविंग लाइसेन्स

यातायात से संबंधित गतिविधियों से अवगत कराकर छात्राओं को ड्राईविंग लाइसेन्स के निर्माण की भी सुविधा दी जाती हैं।

■ अग्निशामक यन्त्र

छात्राओं की सुरक्षात्मक दृष्टि से महाविद्यालय में अनेक स्थलों पर अग्निशामक यन्त्रों को लगाया गया।

■ कॉमन रूम

महाविद्यालय में छात्राओं की सुविधा के लिए कॉमन रूम की भी व्यवस्था की गई है।

■ पुस्तकालय एवं वाचनालय

महाविद्यालय परिसर में पूर्णरूपेण सुसज्जित, वातानुकूलित पुस्तकालय एवं वाचनालय है। जिसमें विभिन्न विषयों की पुस्तकें हैं। इसके अर्न्तगत वाचनालय भी है। जिसमें दैनिक समाचार पत्र साप्ताहिक व मासिक पत्र–पत्रिकाएं भी हैं। यह महाविद्यालय ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को भी निशुल्क पुस्तकालय एवं वाचनालय के प्रयोग की सुविधा प्रदान करता है।

उन्हें विभिन्न प्रकार के प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निशुल्क मार्गदर्शन भी दिया जाता है।

■ फिल्टरयुक्त वाटरकूलरों की व्यवस्था

इस धरा पर पानी अमृत से कम नहीं है, लेकिन उसमें स्वच्छता का होना अनिवार्य है। स्वच्छ जल न केवल प्यास बुझाता है, अपितु शरीरिक प्रतिरोधक क्षमता का भी संवर्धन करता है। छात्राओं को शीतल व स्वच्छ पेय जल उपलब्ध करवाने के लिए अनेक स्थानों पर फिल्टर युक्त वाटरकूलरों की व्यवस्था है।

महाविद्यालय परिवार

विभागवार शैक्षणिक सदस्यों की सूची

भूगोल विभाग डॉ0 विक्रम सिंह यादव, डॉ0 अंकिता यादव	**इतिहास विभाग** श्री राजेश	**रासायन विभाग** श्री समेश चन्द
अंग्रेजी विभाग डॉ0 सुधीर यादव	**राजनीति विज्ञान विभाग** श्री हरपाल सिंह	**भौतिकी विभाग** श्रीमती सपना
हिन्दी एवं संस्कृत विभाग श्री अनिल कुमार डॉ0 सीमा देवी	**वाणिज्य विभाग** श्रीमति कविता श्रीमति नीतू कुमारी	**गणित विभाग** सुश्री सीमा श्री अरूण कुमार

कार्यरत गैर–शैक्षणिक सदस्यों की सूची

क्र.सं.	नाम	पद
1	श्री मोनू यादव (स्थायी)	सहायक
2	सुश्री पूनम कुमारी (स्थायी)	लिपिक
3	श्री कवंर सिंह (स्थायी), श्री गजराज, श्री पवन	प्रयोगशाला परिचारक
4	श्री देवेन्द्र सिंह	पुस्तकालय रिस्टोरर
5	श्री गुरूदेव	पुस्तकालय परिचारक
6	श्री रामपाल, श्री नीरज (स्थायी)	सेवादार
7	श्री कृष्ण कुमार, श्री करतार सिंह, श्री प्रदीप कुमार	चौकीदार
8	श्री अमित कुमार, श्री गोविन्द	माली
9	श्री संदीप कुमार	सफाई कर्मचारी

महाविद्यालय में संचालित पाठयक्रम

कला संकाय

विषय वर्ग	अवधि	सीट
विषय –हिन्दी, अग्रेजी, संस्कृत, इतिहास, भूगोल, गणित, राजनीतिशास्त्र	6 सेमेस्टर (3 वर्ष)	320

विज्ञान संकाय

विषय वर्ग	अवधि	सीट
विषय – भौतिकि विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित	6 सेमेस्टर (3 वर्ष)	80

वाणिज्य संकाय

विषय वर्ग	अवधि	सीट
विषय – लागत लेखांकन, वित प्रबंधन, अन्तर्राष्ट्रीय विपणन, अंकेशन, आयकर, वस्तु एवं सेवाकर, वितीय लेखांकन, व्यवसायिक प्रबंधन, व्यवसायिक गणित, व्यवसायिक अर्थशास्त्र, व्यवसायिक संचार, निगमीय लेखांकन, व्यवसायिक सांख्यिकी, मानव संसाधन प्रबंधन, विपणन प्रबंधन इत्यादि।	6 सेमेस्टर (3 वर्ष)	80

महाविद्यालय के नियम एवं विनियम

महाविद्यालय में अध्ययनरत सभी छात्राओं को अधोलिखित नियमों का पालन करना अनिवार्य है। इन नियमों का उल्लघंन करने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

▪ उपस्थिति

कोई भी छात्रा जिसकी उपस्थिति महाविद्यालय द्वारा निर्धारित 75% से कम है। उसे महाविद्यालय की अन्तिम परीक्षा में बैठने के लिए अनुमति प्रदान नहीं की जाएगी। विशेष परिस्थिति में प्राचार्य की संस्तुति पर इस प्रावधान में छूट दी जा सकती है।

▪ अनुशासन

कक्षाओं में मोबाईल का प्रयोग वर्जित है। अवहेलना करने पर छात्रा आर्थिक दण्ड की भागी होगी।

▪ सम्पत्ति

- महाविद्यालय की सम्पति का सदुपयोग करें दुरूपयोग वर्जित है। सम्पति की तोड़–फोड़ किसी भी परिस्थिति में असहनीय है।
- पंखे, लाईट किसी भी स्थल पर व्यर्थ न चलने दें। कक्षा से निकलते समय इन्हें अवश्य बंद करें।
- जल ही जीवन है, अतः सभी छात्राएं जल का सदुपयोग करें। वाटरकूलरों तथा शौचालयों में व्यर्थ पानी न बहने दें, नल अवश्य बंद करें।
- व्याख्यान कक्ष के सामने व बरामदों में शोर मचाना वर्जित है, ऐसा करने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।
- साईकिल/स्कूटर को ताला लगाकर निर्धारित पार्किंग स्थल में खड़ा करें। वाहन महाविद्यालय के गेट के सामने खडें करना निषिद्ध है।
- परिसर में गंदगी फैलाना फूल तोड़ना वर्जित है, ऐसा करने पर छात्रा आर्थिक दण्ड की भागी होगी।
- सदैव यह स्मरण रखें कि यह महाविद्यालय आपका है। इसकी शोभा बनाए रखना आपका परम कर्त्तव्य है।

▪ पहचान पत्र

महाविद्यालय की हर छात्रा को प्रतिवर्ष एक पहचान पत्र जारी किया जाता है, जिसे महाविद्यालय में प्रवेशार्थ अनिवार्य है।

सह शैक्षणिक गतिविधियां एवं समितियां

▪ सृजनात्मक लेखन समिति (अंग्रेंजी ,हिन्दी एवं संस्कृत)

इसके अन्तर्गत छात्राओं को साहित्यिक लेखन की विविध पहलुओं से परिचित करवाया जाता है। साहित्यिक लेखन छात्राओं में सृजनात्मक प्रतिभा को विकसित करने का अवसर प्रदान करता है। यह छात्राओं के समक्ष ऐसा मंच प्रदान करता है, जहाँ वे अपनी रचनात्मक प्रतिभा को अभिव्यक्त कर सकें। यह समिति छात्राओं को स्वतंत्र रूप से विचारों को अभिव्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

▪ सांस्कृतिक समिति

महाविद्यालय में सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए एक सांस्कृतिक समिति भी गठित है, जिसमें इच्छुक अभ्यार्थी भाग लेकर अपनी क्षमताओं को प्रदर्शित कर सकते हैं।यह समिति अनेक प्रकार की गतिविधियों से छात्राओं में भारतीय संस्कृति के प्रति प्रेम एवं जागरूकता का विकास करती है, ताकि छात्राएं आधुनिकता की अंधी दौड़ में अपनी बहुमूल्य धरोहर से जुड़ी रहें।

▪ करियर गाइडेन्स एवं प्लेसमेन्ट सेल

छात्राओं को रोजगार एवं विषय चयन में आवश्यक मार्गदर्शन के लिए करियर गाइडेन्स एवं प्लेसमेन्ट सेल कार्यरत है। यह सेल समय समय पर अनेक प्रकार के कार्यक्रम एवं कार्यशालाएं आयोजित करती हैं। यह छात्राओं को रोजगार दिलवाने हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान करती है।

▪ राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य सुदृढ़ राष्ट्र निमार्ण में युवाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करना है, क्योंकि राष्ट्र निमार्ण में युवाशक्ति की भूमिका केन्द्रीय स्थान पर होती है। युवा पीढ़ी ही राष्ट्र की समस्याओं से जूझने व दूर करने का सामर्थ्य रखती है। महाविद्यालय

में राष्ट्रीय सेवा योजना की एक सक्रिय ईकाइ कार्यरत है, जो छात्राओं को सामाजिक कार्यों के लिए प्रेरित तथा प्रोत्साहित करती है। यह इकाई विभिन्न सामाजिक मुद्दों के प्रति छात्राओं को संवेदनशील बनाने हेतु भिन्न–भिन्न परियोजनओं में कार्यरत है।

महिला प्रकोष्ठ

महिलाओं की समस्याओं के प्रति छात्राओं को जागरूक करने तथा इसके समाधान की ओर अग्रसर करने के लिए महिला प्रकोष्ठ महाविद्यालय में सक्रिय एवं महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करता है। महाविद्यालय की प्रत्येक छात्रा की सदस्यता इसमें अनिवार्य है। यह प्रकोष्ठ अनेक प्रकार की शैक्षणिक एवं अन्य गतिविधियों को आयोजित कर महिला समस्याओं के समाधानार्थ सार्थक सुझाव देने हेतु छात्राओं को आमंत्रित किया जाता है। यह प्रकोष्ठ उन्हें शारीरिक, मानसिक और वैचारिक रूप से सशक्तिकरण की ओर अग्रसर करता है।

▪ कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ

छात्राओं को विभिन्न प्रकार के कानूनों से अवगत कराने के लिए महाविद्यालय में कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ है। इसमें छात्राओं को उनके अधिकार एवं कानूनो के विषय में जानकारी देकर इनका ज्ञानवर्धन किया जाता है।

▪ यौन उत्पीड़न समिति

यह समिति यौन उत्पीड़न की शिकायतों की जाँच करने, महिलाओं के मुद्दों व लैंगिक भेदभाव के प्रति छात्राओं को जागरूक करने के लिए स्थापित की गई है। जिसके अन्तर्गत अनेक प्रकार की गतिविधियों को आयोजित किया जाता है।

▪ रैगिंग विरोधी प्रकोष्ठ

महाविद्यालय में किसी भी प्रकार की रैगिंग पूर्णतया निषिद्ध है। यह प्रकोष्ठ इस प्रकार की गतिविधियों में संलग्न विद्यार्थियों के प्रति माननीय उच्चतम न्यायालय के नियमानुसार सख्त अनुशासनात्मक कार्यवाही करती है।

▪ रेड क्रॉस ईकाई

यह तथ्य सर्वविदित है कि युवा ही देश के सतम्भ और भविष्य के नेता है। यह हमारा सामाजिक दायित्व है कि उनमें मानवीय मूल्यों और सामाजिक प्रतिबद्धताओं का संचार कर समाज को उन्नति की ओर अग्रसर करें। यह ईकाई अनके प्रकार की गतिविधियों को संचालित कर मानव जाति की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करती है। इस ईकाई द्वारा छात्राओं को प्राथमिक चिकित्सा के उपचार, सिद्धांत एवं स्वर्णिम नियमों से अवगत कराकर उन्हें प्राथमिक चिकित्सा के लिए प्रशिक्षित किया जाता है, क्योंकि वर्तमान समय में दुघर्टनाओं की अधिकता को देखते हुए उन्हें इस प्रकार का प्रशिक्षण अनिवार्य है, क्योंकि जीवन दान से बड़ा कोई दान नहीं हैं। जिससे की छात्राएं आपातकालीन एवं विपरीत परिस्थितियों में स्वयं तथा दूसरों का बचाव कर सकती हैं। अन्य संस्थानों द्वारा आयोजित प्राथमिक चिकित्सा के शिविरों में छात्राओं को भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाता है। इस ईकाई के अन्तर्गत जिला स्तरीय कैम्प प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्राओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

▪ क्रीड़ा सुविधाएं

महाविद्यालय में एक क्रीड़ा परिषद है जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं को विभिन्न खेलों का प्रशिक्षण दिया जाता है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल अनिवार्य है। महाविद्यालय में इन्डोर एवं आउटडोर खेलों के प्रशिक्षण का विशेष प्रबंध है।

▪ सड़क सुरक्षा क्लब

जीवन अनमोल है केवल समझदारी से ही स्वयं को दुर्घनाओं से बचाया जा सकता है। प्रतिवर्ष हजारों युवा सड़क दुघर्टना में अपना बहुमूल्य जीवन गवां देते हैं इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय में निर्मित सड़क सुरक्षा क्लब अनेक प्रकार की गतिविधियों का आयोजित कर छात्राओं को यातातयात के नियमों से अवगत कराता है, ताकि वे भविष्य में किसी भी प्रकार की दुघर्टना का शिकार न हों।

▪ नेचर इन्टरप्रिटेशन क्लब

पर्यावरण के प्रति छात्राओं में संवेदनशीलता के विकासार्थ महाविद्यालय में नेचर इन्टरप्रिटेशन क्लब स्थापित किया गया है। यह क्लब महाविद्यालय में अनेक प्रकार की गतिविधियों का आयोजित कर उनमें पर्यावरण के संदर्भ में जागरूकता के लिए महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करता है।

वैश्विक महामारी कोरोना के दौरान नियमों की अनुपालना

छात्राओं को कोरोना महामारी से रोकथाम के लिए अधोलिखित नियमों की अनुपालना अनिवार्य है–

- महाविद्यालय में स्वच्छता एवं निर्धारित शारीरिक दूरी बनाना।
- सदैव मास्क का प्रयोग करना अन्यथा उसे महाविद्यालय में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा।
- अपने मोबाईल में आरोग्य सेतु एप एवं आयुष कवच एप अवश्य डाउनलोड एवं उपयोग करें।
- शारीरिक तापमान/श्वसन लक्षणों की जाचँ नियमित रूप से करें। अस्वस्थ होने पर महाविद्यालय में न आएं।
- हाथों को हैंड सैनिटाइजर एवं साबुन से नियमित रूप से साफ करते रहें।